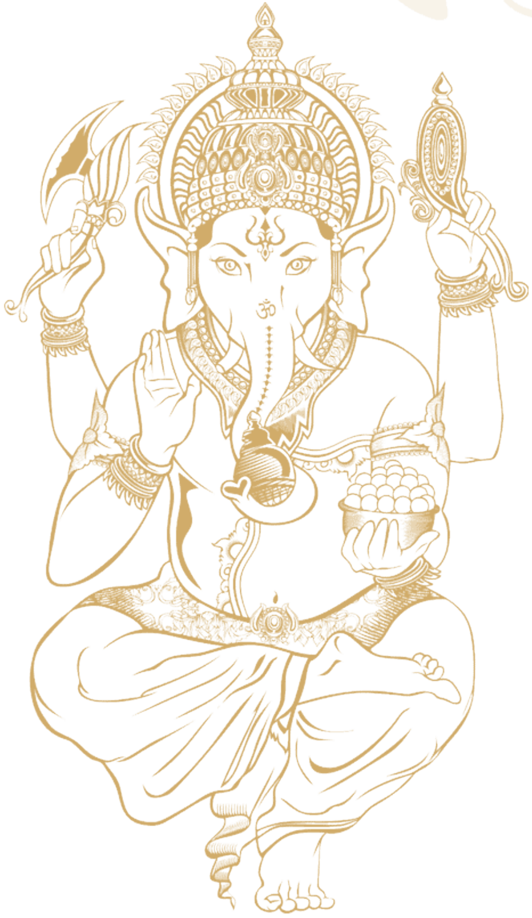

Shubham

Bhumika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120412801

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/01/1996	जन्म तिथि	13/11/1999
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:00:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 05:01:46	जन्म समय(घटी)	06:51:56 घटी
India	देश	India
Akola	स्थान	Ladnun
20:40:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:05:00 पूर्व	रेखांश	74:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:40	स्थानिक संस्कार	-00:32:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:59:17	सूर्योदय	06:51:23
17:54:21	सूर्यास्त	17:41:30
23:48:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03
मकर	लग्न	वृश्चिक
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
आर्द्रा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	3
ब्रह्म	योग	शूल
विष्टि	करण	बालव
घ-घनश्याम	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 10वर्ष 2मा 26दि		20:57:57	मक	लग्न	वृश्चि	26:36:43	शुक्र 8वर्ष 9मा 30दि	
शनि		20:15:42	धनु	सूर्य	तुला	26:27:34	मंगल	
02/04/2022		12:24:53	मिथु	चंद्र	धनु	20:46:40	12/09/2024	
02/04/2041		03:36:13	मक	मंगल	धनु	26:10:11	13/09/2031	
शनि	05/04/2025	09:25:11	मक	बुध व	वृश्चि	02:50:44	मंगल	08/02/2025
बुध	14/12/2027	06:36:41	धनु	गुरु व	मेष	03:27:48	राहु	27/02/2026
केतु	22/01/2029	23:54:44	मक	शुक्र	कन्या	10:29:31	गुरु	03/02/2027
शुक्र	24/03/2032	25:53:01	कुंभ	शनि व	मेष	19:19:09	शनि	14/03/2028
सूर्य	05/03/2033	29:00:37	कन्या व	राहु व	कर्क	12:53:13	बुध	11/03/2029
चन्द्र	05/10/2034	29:00:37	मीन व	केतु व	मक	12:53:13	केतु	07/08/2029
मंगल	14/11/2035	05:46:57	मक	हर्ष	मक	19:11:51	शुक्र	07/10/2030
राहु	20/09/2038	01:01:46	मक	नेप	मक	07:59:21	सूर्य	12/02/2031
गुरु	02/04/2041	08:16:51	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:43:46	चन्द्र	13/09/2031

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:48:12 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:03

लग्न-चलित

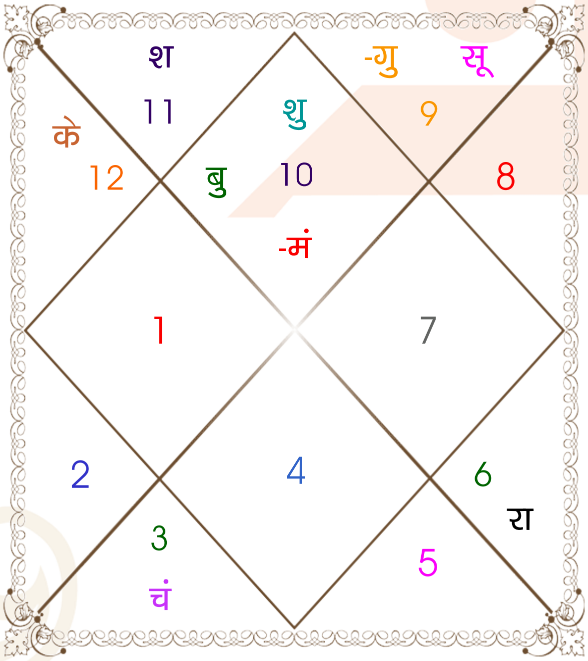

लग्न-चलित

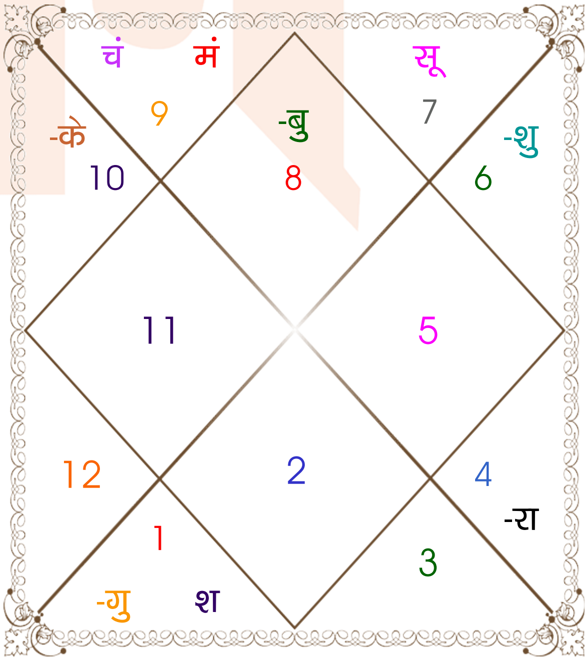

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

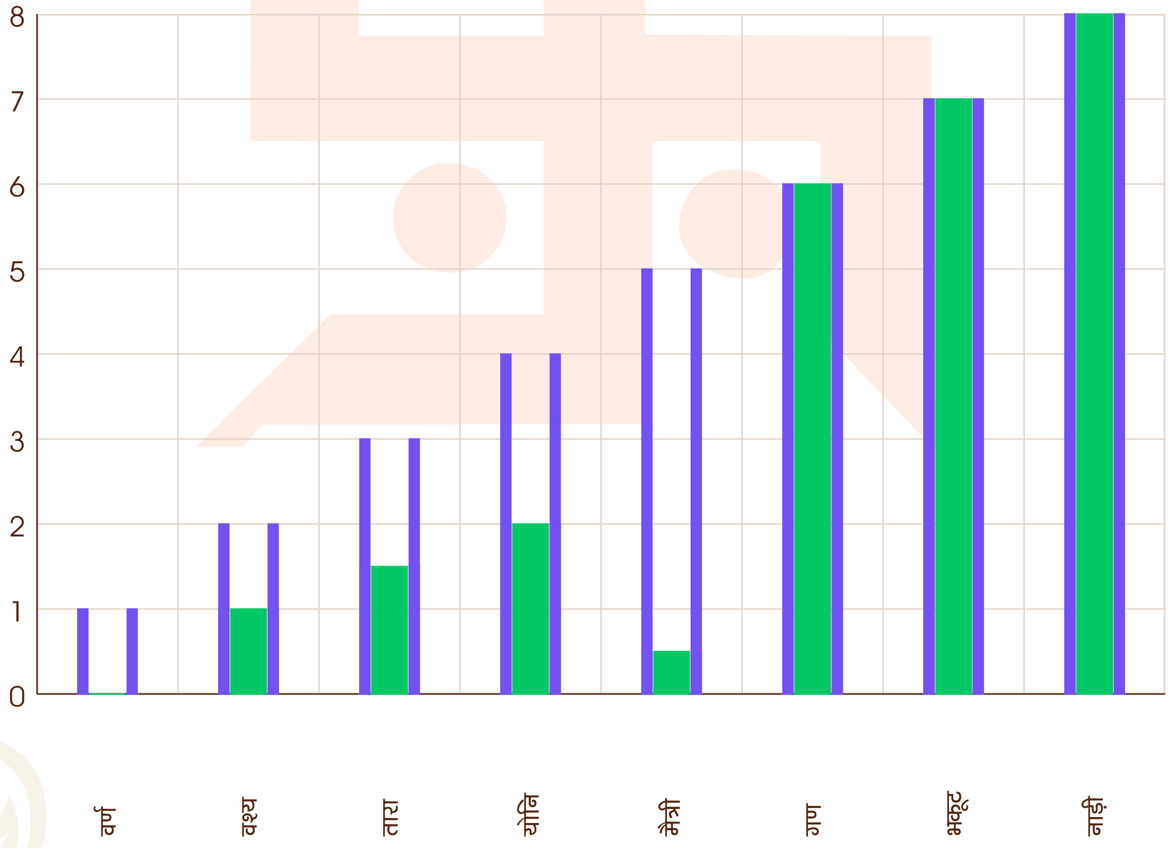

अष्टकूट मिलान

ैनइींउ का वर्ग मार्जार है तथा ठीनउपां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनइींउ और ठीनउपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनइींउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल ैनइींउ कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैनइींउ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ठीनउपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ठीनउपां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनइींउ तथा ठीनउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैनिईंउ का वर्ण शूद्र है तथा ठीनउपां का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें ठीनउपां का वर्ण ैनिईंउ के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण ठीनउपां अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। ठीनउपां का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए ैनिईंउ को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

ैनिईंउ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ठीनउपां का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप ैनिईंउ एवं ठीनउपां दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। ठीनउपां अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में ैनिईंउ अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

ैनिईंउ की तारा प्रत्यरि तथा ठीनउपां की तारा साधक है। ैनिईंउ की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ैनिईंउ कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ठीनउपां को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

ैनिईंउ की योनि श्वान है तथा ठीनउपां की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौनइींउ का राशि स्वामी ठीनउपां के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ठीनउपां का राशि स्वामी ौनइींउ के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ौनइींउ का गण मनुष्य तथा ठीनउपां का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ौनइींउ एवं ठीनउपां की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा ौनइींउ व ठीनउपां को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

ॅनिड़ींउ की नाड़ी आद्य है तथा ठीनउपां की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ैनिड्डींउ की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा ठीनउपां की अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। वायु एवं अग्नि तत्व की नैसर्गिक मित्रता होने के कारण ैनिड्डींउ और ठीनउपां के मध्य सामाजिक रूप से समानताएं विद्यमान रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने तथा आदर प्रदान करके मधुर संबधों को स्थापित करके आनंदमय जीवन व्यतीत करेंगे अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

ैनिड्डींउ की राशि का स्वामी बुध तथा ठीनउपां की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में है। अतः ैनिड्डींउ और ठीनउपां के मध्य यदा कदा मतभेद भी उत्पन होगें तथा परस्पर वाद विवाद की संभावना रहेगी जिससे संबंधों मे अल्प समय के लिए तनाव उत्पन होगा। चूंकि बुध और बृहस्पति दोनो बुद्धि के प्रतीक ग्रह है अतः बुद्धिमता पूर्वक आपस मे समझौते की सम्भावना रहेगी तथा अप्रिय स्थिति से दोनों सुरक्षित रहेंगे।

ैनिड्डींउ और ठीनउपां की राशियाँ परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से परस्पर मधुर एवं आदर्श सम्बंधों की स्थापना होगी तथा एक दूसरे के सम्मान और अस्तित्व को स्वीकृत करके परस्पर प्रेम पूर्वक रहेंगे। साथ ही दोनों के जीवन मूल्यों एवं अभिरूचियों मे भी समानता रहेगी।

ैनिड्डींउ का वश्य मानव तथा ठीनउपां का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभ्रता का भाव रहता है। अतः ैनिड्डींउ और ठीनउपां की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

ैनिड्डींउ का वर्ण शूद्र एवं ठीनउपां का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से ैनिड्डींउ एक कर्तव्यपरायण एवं परिश्रमी पुरूष होंगे तथा किसी भी कार्य को करने के लिए उद्यत रहेंगे। परन्तु ठीनउपां की प्रवृति पराक्रमी एवं परिश्रमी कार्य करने में रहेगी तथा स्वभाव मे तेजस्विता का भाव भी रहेगा।

धन

ैनिड्डींउ और ठीनउपां दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ैनड्डींउ का आद्य तथा ठीनउपां की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से ठीनउपां को समय समय पर स्वास्थ्य संबधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित संबधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए ठीनउपां को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ैनड्डींउ और ठीनउपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ैनड्डींउ और ठीनउपां के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ठीनउपां के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ठीनउपां को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ठीनउपां को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ैनड्डींउ और ठीनउपां सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ैनड्डींउ और ठीनउपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ठीनउपां के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी ठीनउपां को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः ठीनउपां को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ ठीनउपां के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से ठीनउपां सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

ैानड्ढीउ के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि ैानड्ढीउ तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ैानड्ढीउ के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।